

136 स्वर्ग में राज शुरू हुआ—अब धरती पे आए, है दुआ!

(प्रकाशितवाक्य 11:15; 12:10)

Capo fret 2

G A C G
A D A

य - हो - वा, स - दा से है तू रा -
गिन - ती के हैं शै - ताँ के दिन, न -
दू - तों को मि - ला अब सु - कूँ शै -

E♭ F G Em Bm
F G A F#m C#m

जा - ओं का रा - जा! सर - ताज ते - रा बे - टा ब -
हीं वो आ - पे में। धि - रे हम दु - खों से तो
ताँ की चा - लों से। स्वर्ग में है खु - शी का स -

Dm Am G D
Em Bm A E

ने, ये था हु - कुम ते - रा। ली
क्या? अन - दे - खी हम दे - खें! ली
माँ, जय - गान न - या गूँ - जे! ली

Am Bm D E

स्वर्ग में बाग - डोर यी - शु ने, पा - ए - गा जीत अब
स्वर्ग में बाग - डोर यी - शु ने, पा - ए - गा जीत अब
स्वर्ग में बाग - डोर यी - शु ने, पा - ए - गा जीत अब

कोरस G D G
A E A

धर - ती पे!
धर - ती पे! ता - क्त, उद् - धार और राज! तू -
धर - ती पे!

C G D G D
D A E A E

ने सब पे जा - हिर कि - या। अब है य - ही दु -

Em Am D7 G
F#m Bm E7 A

आ, राज जल्द ते - रा आ - ए य - हौं!